आभार

यह शोध प्रबंध प्रस्तुत करने के शुभ अवसर पर मैं अपने गुरुजनों, परिवार के सभ्यो, मित्रों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व कृतज्ञता प्रकट करना चाहती हूँ। जिनकी सहायता से ही आज में अपने शोधकार्य को सुचारु रुप से पूर्ण कर सकी।

सबसे पहले मैं अपने परम आदरणीय शोध निर्देशक प्रो.कनुभाई निनामा सर की ऋणी हूँ, जो कि महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में सह प्राध्यापक के रूप में कार्यरत है। जिन्होंने मेरे शोध कार्य हेतु विषय चयन से लेकर अपने विद्वत्तापूर्ण मार्गदर्शन की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। जब भी मुझे आवश्यकता हुई, आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। उनकी निरंतर प्रेरणा और समर्थन के परिणाम स्वरूप ही में शोध स्तरीय गहन अध्ययन कर सकी। मेरे शोधकार्य में उनके योगदान एवं सहयोग के लिए मैं सदैव उनकी आभारी हूँ।

मैं अपनी विभागाध्यक्ष डॉ.कल्पना गवली के प्रति हृदय से आभार ज्ञापित करती हूँ, जिनके सानिध्य मैं अपना शोध प्रबंध पूर्ण कर सकी। मैं अपने विभाग के आदरणीय प्राध्यापकों में प्रोफेसर दक्षा मिस्त्री, प्रोफेसर दीपेंद्र सिंह जाडेजा, डॉ.एन एस परमार, डॉ.मनिषा ठक्कर, डॉ.अजहर ढेरीवाला आदि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना चाहती हूँ, जिन का सहयोग मुझे हमेशा प्राप्त होता रहा है।

मैं महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा के पुस्तकालय हंसा मेहता के प्रति आभार प्रकट करती हूँ, जहाँ मुझे ज्ञान की समृद्ध संपदा व बहुमूल्य शोध सामग्री के उपयोग के लिए अनुमति प्राप्त हुई।

मैं उन सभी की आभारी हूं जिन के सहयोग से मेरा यह शोध कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। हर संभव तरीके से मेरी मदद

करने के लिए मैं मेरे शोधार्थी मित्रों आशा साल्वे, सुनिल कुमार यादव, प्रकाशचन्द्र, प्रेम शंकर, ओम प्रकाश का में धन्यवाद करना चाहती हूँ।

मैं अपने पूजनीय सास-ससुर श्रीमती गीताबेन माकडिया एवं ससुर श्री अश्विनभाई माकडिया और मेरे माता-पिता श्री रमणिकभाई मणवर एवं श्रीमती मनिषाबेन मणवर के प्रति नतमस्तक हूँ। जिन्होंने अपने प्यार व आशीर्वाद के साथ मुझे मेरा शोधकार्य सही तरीके से व समय पर पूर्ण करने की प्रेरणा दी। अंत में मैं मेरे जीवनसाथी केतन माकडिया एवं मेरा प्यारा बेटा ध्रुवंश का धन्यवाद व्यक्त करना चाहती हूँ। जिनके निरंतर प्रोत्साहन, धैर्यपूर्ण साथ, प्यार व सहयोग से यह शोध कार्य सुचारू रूप से पूर्ण हुआ।

****